समाजशास्त्र विभाग, समाज विज्ञान विद्याशाखा
उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी

द्वारा आयोजित

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

समाज, स्वच्छता एवं सतत् विकास लक्ष्यः एक समाजशास्त्रीय चिंतन

स्थान- सी. डी. एस. जनरल बिपिन रावत बहुउद्देशीय सभागार, उ. मु. वि. वि., हल्द्वानी

दिनांक- 17 एवं 18 मार्च 2026

संरक्षक एवं अध्यक्ष
प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी
मा. कुलपति, उ. मु. वि. वि, हल्द्वानी

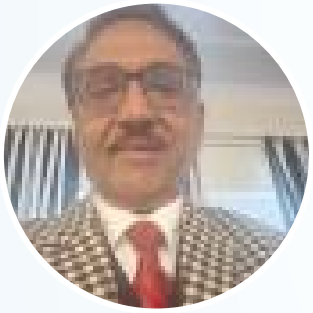

मुख्य अतिथि
प्रो. जे. पी. पचौरी
पूर्व कुलपति स्पर्श हिमालय
विश्वविद्यालय, देहरादून

मुख्य वक्ता
प्रो. जे. के. पुण्डीर
पूर्व प्रति कुलपति
सी. सी. एस. विश्वविद्यालय, मेरठ

विशिष्ट वक्ता
प्रो. अराधना शुक्ला
पूर्व विभागाध्यक्ष, मनोविज्ञान
एस. एस. जे. परिसर, अल्मोड़ा, कु. वि. वि., नैनीताल

विशिष्ट वक्ता
प्रो. इन्दु पाठक
पूर्व विभागाध्यक्ष, समाजशास्त्र
डी. एस. बी. परिसर, कु. वि. वि., नैनीताल

विशिष्ट वक्ता
प्रो. प्रमोद गुप्ता
समाजशास्त्र विभाग
लखनऊ विश्वद्यालय, लखनऊ

संयोजक
प्रो. रेनू प्रकाश
निदेशक, समाज विज्ञान विद्याशाखा एवं
समन्वयक, समाजशास्त्र
उ. मु. वि. वि, हल्द्वानी

कार्यक्रम सचिव- डॉ. भावना डोभाल, डॉ. गोपाल सिंह गौनिया, श्रीमती शैलजा, डॉ. किशोर कुमार

कार्यक्रम सचिव

डॉ. भावना डोभाल
डॉ. गोपाल सिंह गौनिया
श्रीमती शैलजा
डॉ. किशोर कुमार
डॉ. सीता
डॉ. नागेंद्र गंगोला
डॉ. नमिता वर्मा
डॉ. द्विजेश उपध्याय
डॉ. नीरज जोशी
श्री विकास जोशी
सुश्री ऋतंभरा नैनवाल

कार्यक्रम सह-सचिव

डॉ. नीरजा सिंह
डॉ. शालिनी चौधरी
श्री सिद्धार्थ पोखरियाल
डॉ. घनश्याम जोशी
डॉ. कल्पना लखेड़ा
डॉ. देबकी सिरौला
डॉ. रंजू जोशी पाण्डे
डॉ. मनीषा पंत
डॉ. दिनेश चन्द्र काण्डपाल
डॉ. जगमोहन परगाईं
श्रीमती भावना धौनी
डॉ. विनय सिंह रावत
श्री तरुण नेगी
श्री दिग्विजय पथनी
श्री हिमांशु पुनेठा
डॉ. बबीता खाती
डॉ. मोहन सम्मल
श्री सुनील तिवारी
मो. जिलानी
डॉ. धीरज पंत
श्रीमती प्रियंका सिंह
डॉ. सुरेश सिंह मेहता
डॉ. अंजना देवी

ICT समिति

श्री राजेश आर्या
श्री मोहित रावत
श्री विभु कांडपाल

रिपोर्ट लेखन समिति

डॉ. नीरज जोशी
डॉ. लता जोशी
श्री हिमांशु पुनेठा

आयोजक समिति

डॉ. दीपिका वर्मा
डॉ. जीतेश जोशी
श्री रोहित कुमार
डॉ. संपत्ति
श्रीमती कुशा सिंह
डॉ. नियति रावत
डॉ. पूजा हैड़िया
डॉ. लता जोशी
डॉ. ललित मोहन पंत
श्री हिमांशु पुनेठा
श्रीमती दीपिका रैक्वाल
सुश्री रेनु भट्ट
ज्योति शर्मा
श्री नवीन जोशी

मंच साज-सज्जा एवं द्वीप प्रज्वलन समिति

डॉ. दीपिका वर्मा
डॉ. मनीषा पंत
श्रीमती दीपिका रैक्वाल
ज्योति शर्मा
सुश्री रेनु भट्ट

स्वागत समिति

डॉ. नमिता वर्मा
श्रीमती भावना धौनी
डॉ. संपत्ति
सुश्री रेनु भट्ट
ज्योति शर्मा

सूक्ष्म जलपान समिति

डॉ. घनश्याम जोशी
श्री सुनील तिवारी
डॉ. नियति रावत
डॉ. धीरज पंत
श्री नवीन जोशी

पंजीकरण समिति

श्रीमती कुशा सिंह
डॉ. जगमोहन परगाईं
डॉ. मोहन सम्मल
डॉ. पूजा हैड़िया

यात्रा भत्ता समिति

श्री दिग्विजय पथनी
श्री रोहित कुमार
श्री दिनेश कुमार

भोजन व्यवस्था समिति

डॉ. द्विजेश उपध्याय
डॉ. नीरज जोशी
डॉ. जगमोहन परगाईं
डॉ. ललित मोहन पंत
डॉ. नियति रावत
डॉ. विनय सिंह रावत
डॉ. दिनेश चन्द्र काण्डपाल
डॉ. सुरेश सिंह मेहता
श्री तरुण नेगी

आवास व्यवस्था समिति

श्री आशीष टम्टा
श्री विकास जोशी
सुश्री ऋतंभरा नैनवाल
श्री जीतेश जोशी

सांस्कृतिक समिति

श्री प्रदीप कुमार
डॉ. द्विजेश उपाध्याय
डॉ. जगमोहन परगाईं
डॉ. अशोक टम्टा
डॉ. प्रकाश आर्या

सलाहकार एवं विशेषज्ञ समिति

प्रो. जे. के. पुण्डीर
प्रो. जे. पी. पचौरी
प्रो. आलोक कुमार
प्रो. कृष्ण कांत शर्मा
प्रो. अतवीर सिंह
प्रो. सतीश शर्मा
प्रो. बी. के. नागला
प्रो. नील रतन
प्रो. अनिल वाघेला
प्रो. आराधना शुक्ला
प्रो. डी. एस. बिष्ट
प्रो. इंदु पाठक
प्रो. इला साह
प्रो. ज्योति जोशी
प्रो. किरण ड़ंगवाल
प्रो. रवींद्र कुमार
प्रो. अर्चना श्रीवास्तव
प्रो. ए. पी. सिंह
प्रो. प्रमोद गुप्ता
प्रो. अनीता धुर्ये
प्रो. एम. पी. सिंह
प्रो. कमरुद्दीन
प्रो. प्रियंका रुवाली
प्रो. प्रेम प्रकाश
प्रो. संजय कुमार
डॉ. दीपक पालीवाल
डॉ. सुनील कुमार त्रिपाठी

प्रो. गिरिजा प्रसाद पाण्डेय
प्रो. पी. डी. पंत
प्रो. जितेंद्र पाण्डे
प्रो. एम. एम. जोशी
प्रो. डिगर सिंह फर्सवाण
प्रो. गगन सिंह
प्रो. मंजरी अग्रवाल
प्रो. राकेश चंद्र रयाल
प्रो. आशुतोष कुमार भट्ट
प्रो. पी. के. सहगल
प्रो. अरविंद भट्ट
प्रो. कमल देवलाल
प्रो. संजय टम्टा
डॉ. अमिता प्रकाश
डॉ. नरेन्द्र कुमार सिजवाली
डॉ. उर्वशी पाण्डे
डॉ. ममता पंत
डॉ. प्रज्ञा वर्मा
डॉ. मंजु पनेरु
डॉ. स्निग्धा रावत
डॉ. अरूणिमा पाण्डे
डॉ. पुष्पा भट्ट
डॉ. ज्योति जोशी
डॉ. कुसुमलता
डॉ. पुष्पा वर्मा
डॉ. योगेश मैनाली
डॉ. ललित जोशी

विश्वविद्यालय का संक्षिप्त परिचय

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी की स्थापना 31 अक्टूबर 2005 को उत्तराखण्ड विधानसभा के अधिनियम द्वारा की गई थी। यह विश्वविद्यालय राज्य का एकमात्र मुक्त विश्वविद्यालय है, जिसका उद्देश्य दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से उच्च शिक्षा को समाज के हर वर्ग तक पहुँचाना है। पारंपरिक विश्वविद्यालयों से पढ़ाई करने में असमर्थ शिक्षार्थियों, नौकरीपेशा लोगों, गृहिणियों, ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं और उन शिक्षा से वंचितव्यक्ति के लिए यह संस्थान शिक्षा का एक सशक्त माध्यम है, विश्वविद्यालय का मुख्यालय हल्द्वानी (जिला नैनीताल) में स्थित है और यह विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (UGC) तथा दूरस्थ शिक्षा ब्यूरो (DEB) से मान्यता प्राप्त है।

इस विश्वविद्यालय की सबसे बड़ी विशेषता इसकी लचीली शिक्षा प्रणाली है। यहाँ पर शिक्षार्थी अपनी सुविधा के अनुसार अध्ययन कर सकते हैं। पाठ्यक्रमों में स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा, प्रमाणपत्र और व्यावसायिक कार्यक्रम शामिल हैं। शिक्षा का माध्यम मुख्यतः अध्ययन सामग्री, ऑनलाइन संसाधन, ऑडियो-वीडियो लेक्चर और संपर्क कार्यक्रमों के जरिए होता है। विश्वविद्यालय ने राज्यभर में अनेक अध्ययन केन्द्र स्थापित किए हैं,ताकि शिक्षार्थियों को स्थानीय स्तर पर मार्गदर्शन और सहायता मिल सके।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय का उद्देश्य शिक्षा का लोकतंत्रीकरण करना है, अर्थात शिक्षा को समाज के हर वर्ग तक पहुँचाना। यह विश्वविद्यालय विशेष रूप से उन लोगों के लिए उपयोगी है जो आर्थिक, सामाजिक या भौगोलिक कारणों से नियमित शिक्षा प्राप्त नहीं कर सकते। विश्वविद्यालय ने डिजिटल शिक्षा को भी अपनाया है और शिक्षार्थियों को ऑनलाइन प्रवेश, परीक्षा, असाइनमेंट जमा करने और अध्ययन सामग्री प्राप्त करने की सुविधा प्रदान की है।

इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय ने सामुदायिक रेडियो स्टेशन "हैलो हल्द्वानी" भी स्थापित किया है, जो शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, संस्कृति और सामाजिक मुद्दों से संबंधित कार्यक्रम प्रसारित करता है। यह पहल न केवल शिक्षार्थियों बल्कि स्थानीय समुदाय को भी लाभान्वित करती है। विश्वविद्यालय का दृष्टिकोण केवल डिग्री प्रदान करना नहीं है, बल्कि समाज में शिक्षा के महत्व को बढ़ाना और लोगों को ज्ञान के माध्यम से सशक्त बनाना है।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय का योगदान राज्य के शैक्षिक विकास में अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह संस्थान शिक्षा को सुलभ, लचीला और गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। यहाँ पर शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने का साधन नहीं है, बल्कि जीवन को बेहतर बनाने का माध्यम है। इस विश्वविद्यालय ने हजारों शिक्षार्थियों को शिक्षा का अवसर प्रदान किया है और उन्हें आत्मनिर्भर बनने की दिशा में प्रेरित किया है।

संगोष्ठी की संकल्पना

वर्तमान वैश्विक परिप्रेक्ष्य में समाज, स्वच्छता एवं सतत विकास लक्ष्य (SDGs) परस्पर गहन रूप से जुड़े हुए ऐसे आयाम हैं, जो मानव सभ्यता के समग्र विकास को दिशा प्रदान करते हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा निर्धारित सतत विकास लक्ष्य वर्ष 2030 तक सामाजिक समावेशन, आर्थिक समृद्धि तथा पर्यावरणीय संतुलन की स्थापना का एक वैश्विक प्रयास हैं। इन लक्ष्यों में स्वच्छ जल एवं स्वच्छता (SDG-6) को विशेष महत्व प्रदान किया गया है, क्योंकि स्वच्छता सामाजिक स्वास्थ्य, मानवीय गरिमा तथा सतत जीवनशैली की आधारशिला है।

समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण से स्वच्छता केवल व्यक्तिगत आदतों तक सीमित न होकर सामाजिक संरचना, सांस्कृतिक परंपराओं, सामूहिक चेतना एवं संस्थागत व्यवस्थाओं से गहराई से संबंधित है। किसी भी समाज में स्वच्छता संबंधी व्यवहार सामाजिक मूल्यों, शिक्षा, आर्थिक स्थिति तथा सामाजिक असमानताओं से प्रभावित होते हैं। विशेष रूप से विकासशील देशों में स्वच्छता की समस्या सामाजिक न्याय, लैंगिक समानता, ग्रामीण-शहरी विभाजन तथा वंचित वर्गों की स्थिति से जुड़ी हुई है।

भारतीय समाज के संदर्भ में स्वच्छता एक ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक विषय रहा है, जिसमें परंपरागत मान्यताओं एवं आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टिकोण के बीच निरंतर संवाद दिखाई देता है। स्वच्छ भारत अभियान जैसे प्रयासों ने सामाजिक सहभागिता एवं व्यवहार परिवर्तन को प्रोत्साहित किया है, जिससे स्वच्छता को जनआंदोलन का स्वरूप प्राप्त हुआ है। स्वच्छता का संबंध केवल भौतिक स्वच्छ परिवेश से ही नहीं, बल्कि मानसिक, नैतिक एवं सामाजिक चेतना से भी है। आंतरिक एवं बाह्य स्वच्छता का संतुलन ही सतत विकास की वास्तविक नींव रखता है। जब समाज स्वच्छता को सामूहिक उत्तरदायित्व एवं सामाजिक मूल्य के रूप में स्वीकार करता है, तभी सतत विकास लक्ष्यों की प्रभावी प्राप्ति संभव हो पाती है।

प्रस्तावित राष्ट्रीय संगोष्ठी के माध्यम से समाज, स्वच्छता एवं सतत विकास के अंतर्संबंधों का बहुआयामी विश्लेषण कर, नीति-निर्माण, सामाजिक जागरूकता तथा वैश्विक सहयोग को सुदृढ़ करने का प्रयास किया जाएगा।

उपशीर्षक:

1-समाज और स्वच्छता का आपसी संबंध
2-स्वच्छता, सामाजिक चेतना और व्यवहार परिवर्तन
3-ग्रामीण एवं शहरी समाज में स्वच्छता की आवश्यकताएँ
4-स्वच्छता और सतत् विकास
5-स्वच्छता एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य का संबंध
6-स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सतत् विकास
7-भारत में स्वच्छता से जुड़े सरकारी प्रयासों का समाजशास्त्रीय मूल्यांकन: नीति बनाम जमीनी हकीकत
8-स्वच्छता अभियानों में एनजीओ और स्थानीय संस्थाओं की भूमिका
9-सतत् विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में सामाजिक बाधाएँ
10-स्वच्छता: अधिकार या कर्तव्य : एक समाजशास्त्रीय बहस
11-सामुदायिक सहभागिता और स्वच्छता
12-स्वच्छता एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य: एक समाजशास्त्रीय संबंध
13-स्वच्छता अभियानों का समाज पर प्रभाव
14-सतत् विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में स्वच्छता की भूमिका
15-स्वच्छ समाज से सतत् विकास तक : एक समाजशास्त्रीय निष्कर्ष
16-मीडिया अध्ययन : फिल्मों और साहित्यिक कृतियों में स्वच्छता का चित्रण
17-धार्मिक अनुष्ठानों में स्वच्छता की भूमिका : परंपरा और आधुनिकता

महत्वपूर्ण तिथियां

पंजीकरण की आंरम्भ तिथि- 8 फरवरी 2026
पंजीकरण की अंतिम तिथि- 10 मार्च 2026
शोध सारांश भेजने हेतु अंतिम तिथि- 25 फरवरी 2026
शोध पत्र भेजने हेतु अंतिम तिथि- 10 मार्च 2026

नोट- इच्छुक प्रतिभागी अपना शोध सारांश अधिकतम 300 शब्द और सम्पूर्ण शोध आलेख (अधिकतम 4000 शब्द) यूनिकोड फॉन्ट/ times New Roman में टंकित कर dosseminar@uou.ac.in ईमेल पर भेज दें।

पंजीकरण शुल्क

ppr.02325.10082023.00073653@cnrb

Scan QR Code

शोधार्थियों हेतु-1000
संकाय सदस्यों हेतु-1500

ऑनलाईन पंजीकरण हेतु

Scan QR Code

link- https://forms.gle/Aj4wPdJHk2He4WfU6

अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क सूत्र- संयोजक-7302324006, कार्यक्रम सचिव- 9897803411, 8791625237, 7060487567

संगोष्ठी कार्यक्रम
दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी
समाज, स्वच्छता एवं सतत् विकास लक्ष्य: एक समाजशास्त्रीय चिंतन
दिनांक: 17 और 18 मार्च, 2026
(मंगलवार और बुद्धवार)

कार्यक्रम स्थल

सी.डी.एस. जनरल बिपिन रावत बहुउद्देशीय सभागार, उ. मु. वि. वि. हल्द्वानी

नोट - ऑफलाइन पंजीकरण दिनांक 17 एवं 18 मार्च 2026 को प्रातः 09:00 बजे से कार्यक्रम स्थल पर भी किया जाएगा।

उपशीर्षक:

1-समाज और स्वच्छता का आपसी संबंध
2-स्वच्छता, सामाजिक चेतना और व्यवहार परिवर्तन
3-ग्रामीण एवं शहरी समाज में स्वच्छता की आवश्यकताएँ
4-स्वच्छता और सतत् विकास
5-स्वच्छता एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य का संबंध
6-स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सतत् विकास
7-भारत में स्वच्छता से जुड़े सरकारी प्रयासों का समाजशास्त्रीय मूल्यांकनः नीति बनाम जमीनी हकीकत
8-स्वच्छता अभियानों में एनजीओ और स्थानीय संस्थाओं की भूमिका
9-सतत् विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में सामाजिक बाधाएँ
10-स्वच्छताः अधिकार या कर्तव्य एक समाजशास्त्रीय बहस
11-सामुदायिक सहभागिता और स्वच्छता
12-स्वच्छता एवं सार्वजनिक स्वास्थ्यः एक समाजशास्त्रीय संबंध
13-स्वच्छता अभियानों का समाज पर प्रभाव
14-सतत् विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में स्वच्छता की भूमिका
15-स्वच्छ समाज से सतत् विकास तक एक समाजशास्त्रीय निष्कर्ष
16-मीडिया अध्ययन: फिल्मों और साहित्यिक कृतियों में स्वच्छता का चित्रण
17-धार्मिक अनुष्ठानों में स्वच्छता की भूमिका: परंपरा और आधुनिकता

आयोजक
समाजशास्त्र विभाग, समाज विज्ञान विद्याशाखा
उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखंड

उद्घाटन सत्र

मंच संचालक- डॉ. नागेन्द्र गंगोला

समय (कब से कब तक)	कार्यक्रम	संबंधित व्यक्ति
10:30 से	कार्यक्रम स्थल पर आगमन	समस्त अतिथि एवं प्रतिभागीगण
10:45 से 10:50 तक	दीप प्रज्ज्वलन एवं मन्त्रोचारण	माननीय मुख्य अतिथि, मुख्य वक्ता एवं अन्य द्वारा
10:50 से 10:55 तक	विश्वविद्यालय कुलगीत	आईसीटी समिति द्वारा
10:55 से 11:15 तक	मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथियों का स्वागत	माननीय कुलपति महोदय एवं अन्य विद्ववतजनों द्वारा
11:15 से 11:25 तक	स्वागत भाषण एवं विषय प्रवेश	प्रो. रेनू प्रकाश, निदेशक, समाज विज्ञान विद्याशाखा
11:25 से 11:35 तक	अतिथियों का परिचय	डॉ. नमिता वर्मा
11:35 से 11:45 तक	विशिष्ट वक्ता का संबोधन	प्रो. प्रमोद कुमार गुप्ता, प्रोफेसर समाजशास्त्र, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ
11:45 से 12:00 तक	विशिष्ट वक्ता का संबोधन	प्रो. इन्दु पाठक, पूर्व विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र, डी. एस. बी. परिसर, कु. वि. वि. नैनीताल
12:00 से 12:15 तक	विशिष्ट वक्ता का संबोधन	प्रो. अराधना शुक्ला, पूर्व विभागध्यक्ष, मनोविज्ञान विभाग एस. एस. जे. परिसर, अल्मोड़ा कु. वि. वि. नैनीताल
12:15 से 12:30 तक	मुख्य वक्ता का संबोधन	प्रो. जे. के. पुण्डीर, पूर्व प्रतिकुलपित, सी. सी. एस. वि. वि., मेरठ
12:30 से 12:45 तक	मुख्य अतिथि का संबोधन	प्रो. जे. पी. पचौरी, पूर्व कुलपति स्पर्श हिमालय वि. वि. देहरादून
12:45 से 01:00 तक	अध्यक्षीय उद्बोधन	प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी, मा. कुलपति
01:00 से 01:10 तक	धन्यवाद प्रस्ताव	प्रो. पी. डी. पंत, निदेशक अकादमिक, उ. मु. वि. वि., हल्द्वानी
01:10 से 01:15 तक	राष्ट्रगान	आईसीटी समिति द्वारा
01:15 से	सूक्ष्म जलपान/ मध्याह्न भोजन	सूक्ष्म जलपान समिति द्वारा

तकनीकी सत्र

प्रथम दिवस

विषयवार मुख्य भाषण: उपशीर्षक (01, 02 और 03)

1. समाज और स्वच्छता का आपसी संबंध
2. स्वच्छता, सामाजिक चेतना और व्यवहार परिवर्तन
3. ग्रामीण एवं शहरी समाज में स्वच्छता की आवश्यकताएँ

प्रथम सत्र 02:30 PM – 03:30 PM
दिनांक: 17 मार्च 2026 (मंगलवार)
कार्यक्रम का स्थान: सी.डी.एस. जनरल बिपिन रावत बहुउद्देशीय सभागार, उ. मु. वि. वि. हल्द्वानी
सत्र समन्वयक: डॉ. नमिता वर्मा
अध्यक्ष: प्रो. मधुलता नयाल
सह-अध्यक्ष: डॉ. वन्दना सिंह
प्रतिवेदक: डॉ. किशोर कुमार

विषयवार मुख्य भाषण: उपशीर्षक (04, 14 और 15)

4. स्वच्छता और सतत् विकास
14. सतत् विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में स्वच्छता की भूमिका
15. स्वच्छ समाज से सतत् विकास तक एक समाजशास्त्रीय निष्कर्ष

प्रथम सत्र (समानांतर) 02:30 PM – 03:30 PM
दिनांक: 17 मार्च 2026 (मंगलवार)
कार्यक्रम का स्थान: कक्ष संख्या- 213, जन्तु विज्ञान विभाग, उ. मु. वि. वि. हल्द्वानी
सत्र समन्वयक: डॉ. ऋतम्बरा नैनवाल
अध्यक्ष: प्रो. कमरुद्दीन
सह-अध्यक्ष: डॉ. उर्वशी
प्रतिवेदक: श्री गौरव सती

सांस्कृतिक कार्यक्रम: संगीत विभाग द्वारा (सायं 06:00 बजे से)

विषयवार मुख्य भाषण: उपशीर्षक (05, 11 और 12)

5. स्वच्छता एवं सार्वजनिक स्वास्थ्य का संबंध
11. सामुदायिक सहभागिता और स्वच्छता
12. स्वच्छता एवं सार्वजनिक स्वास्थ्यः एक समाजशास्त्रीय संबंध

द्वितीय सत्र 03:45 PM – 04:45 PM
दिनांक: 17 मार्च 2026 (मंगलवार)
कार्यक्रम का स्थान: सी. डी. एस. जनरल बिपिन रावत बहुउद्देशीय सभागार, उ. मु. वि. वि. हल्द्वानी
सत्र समन्वयक: डॉ. गोपाल सिंह गौनिया
अध्यक्ष: प्रो. एम. पी. सिंह
सह-अध्यक्ष: डॉ. स्निग्धा रावत
प्रतिवेदक: श्रीमती नीलम दानू

तकनीकी सत्र

विषयवार मुख्य भाषण: उपशीर्षक (06 और 08)

6. स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सतत् विकास
8. स्वच्छता अभियानों में एनजीओ और स्थानीय संस्थाओं की भूमिका
द्वितीय सत्र (समानांतर) 03:45 PM – 04:45 PM
दिनांक: 17 मार्च 2026 (मंगलवार)
कार्यक्रम का स्थान: कक्ष संख्या- 216, वनस्पति विज्ञान विभाग, उ. मु. वि. वि. हल्द्वानी
सत्र समन्वयक: श्री विकास जोशी
अध्यक्ष: प्रो. पी. डी. पंत
सह-अध्यक्ष: प्रो. प्रेम प्रकाश
प्रतिवेदक: डॉ. रिचा तिवारी

द्वितीय दिवस

विषयवार मुख्य भाषण: उपशीर्षक (09, 10 और 13)

9. सतत् विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में सामाजिक बाधाएँ
10. स्वच्छताः अधिकार या कर्तव्य एक समाजशास्त्रीय बहस
13. स्वच्छता अभियानों का समाज पर प्रभाव
प्रथम सत्र 10:30 AM – 11:30 AM
दिनांक: 18 मार्च 2026 (बुद्धवार)
कार्यक्रम का स्थान: कक्ष संख्या- 113, रसायन विज्ञान विभाग, उ. मु. वि. वि. हल्द्वानी
सत्र समन्वयक: डॉ. द्विजेश उपाध्याय
अध्यक्ष: प्रो. संजय टम्टा
सह-अध्यक्ष: प्रो. ममता पंत
प्रतिवेदक: डॉ. पुष्पा बुढलाकोटी

विषयवार मुख्य भाषण: उपशीर्षक (16, 17 और 07)

16-मीडिया अध्ययन: फिल्मों और साहित्यिक कृतियों में स्वच्छता का चित्रण
17-धार्मिक अनुष्ठानों में स्वच्छता की भूमिका: परंपरा और आधुनिकता
7. भारत में स्वच्छता से जुड़े सरकारी प्रयासों का समाजशास्त्रीय मूल्यांकनः नीति बनाम जमीनी हकीकत
प्रथम सत्र (समानांतर) 10:30 AM – 11:30 AM
दिनांक: 18 मार्च 2026 (बुद्धवार)
कार्यक्रम का स्थान: कक्ष संख्या- 106, भौतिक विज्ञान विभाग, उ. मु. वि. वि. हल्द्वानी
सत्र समन्वयक: श्री दिग्विजय पथनी
अध्यक्ष: प्रो. राकेश रयाल
सह-अध्यक्ष: डॉ. अमिता प्रकाश
प्रतिवेदक: डॉ. ललित जोशी

तकनीकी सत्र

विषयवार मुख्य भाषण: समस्त उपशीर्षक

द्वितीय सत्र 11:45 AM – 01:00 PM

दिनांक: 18 मार्च 2026 (बुद्धवार)

कार्यक्रम का स्थान: सी.डी.एस. जनरल बिपिन रावत बहुउद्देशीय सभागार, उ. मु. वि. वि. हल्द्वानी

ऑनलाइन सत्र समन्वयक: श्रीमती भावना धौनी

अध्यक्ष: प्रो. डिगर सिंह फर्सवाण

सह-अध्यक्ष: प्रो. आशुतोष भट्ट

प्रतिवेदक: डॉ. योगेश मैनाली, डॉ. कुसुम लता एवं श्रीमती शैलजा

तकनीकी सहयोग: सुश्री रिया गिरि एवं आशीष जोशी

मध्याह्न भोजन: दोपहर 01:00 बजे से

समापन सत्र

समय (कब से कब तक)	कार्यक्रम	नाम
03:00 PM	मुख्य प्रतिवेदक द्वारा प्रतिवेदनों की प्रस्तुति	डॉ. भावना डोभाल
03:20 से 03:30 तक	विशिष्ट वक्ता का संबोधन	प्रो. ज्योति जोशी
03:30 से 03:50 तक	मुख्य वक्ता का संबोधन	प्रो. इला साह
03:50 से 04:00 तक	विशिष्ट अतिथि का संबोधन	प्रो. आलोक कुमार
04:00 से 04:10 तक	मुख्य अतिथि का संबोधन	प्रो. अतवीर सिंह
04:10 से 04:20 तक	अध्यक्षीय उद्बोधन	प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी
04:20 से 04:30 तक	धन्यवाद प्रस्ताव	श्री खेमराज भट्ट कुलसचिव
04:30 से	प्रमाण-पत्र वितरण	समस्त अतिथियों द्वारा
समारोह समापन के पश्चात	राष्ट्रगान	समस्त अतिथियों द्वारा
समारोह समापन के पश्चात	सूक्ष्म जलपान	समस्त अतिथियों द्वारा
मंच संचालन- डॉ. नागेंद्र गंगोला		

समापन सत्र

संरक्षक एवं अध्यक्ष

प्रो. नवीन चन्द्र लोहनी

मा. कुलपति, उ. मु. वि. वि, हल्द्वानी

मुख्य अतिथि

प्रो. अतवीर सिंह

प्रोफेसर अर्थशास्त्र
निदेशक, इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस स्टडीज
सी. सी. एस. वि. वि., मेरठ

विशिष्ट अतिथि

प्रो. आलोक कुमार

विभागाध्यक्ष, समाजशास्त्र
सी. सी. एस. वि. वि., मेरठ

मुख्य वक्ता

प्रो. इला साह

पूर्व संयोजक, समाजशास्त्र
एस. एस. जे. परिसर, एस. एस. जे. वि. वि.
अल्मोड़ा

विशिष्ट वक्ता

प्रो. ज्योति जोशी

विभागाध्यक्ष एवं संयोजक, समाजशास्त्र
डी. एस. बी. परिसर, कु. वि. वि., नैनीताल

संयोजक

प्रो. रेनू प्रकाश

निदेशक
समाज विज्ञान विद्याशाखा एवं समन्वयक, समाजशास्त्र
उ. मु. वि. वि, हल्द्वानी

कार्यक्रम सचिव- डॉ. भावना डोभाल, डॉ. गोपाल सिंह गौनिया, श्रीमती शैलजा, डॉ. किशोर कुमार